भारत की समृद्ध विरासत का महत्व

सोने सी चमकती धरती थी
नील गगन सागर समान,
शब्द कम पड़ जायेंगे
करने को इस देश का बखान।

विश्व गुरु यह देश था
था बड़ा ही विद्वान,
अथिति देवो भव: परंपरा
था इस हिन्द की पहचान।

सोने की चिड़िया
इस अखंड भारत को जान,
लूटने चले आए अंग्रेज़
इस देश कि खुशियों का खदान।

जब शुरू हुआ
लोगों का अपमान,
मानो उदास हो धरती
और कह रहा हो आसमान।

" ऐ हिन्द तू कितना महान
क्यों सह रहा जुल्म काटों के समान",
क्रांति की आवाज़ बुलंद हुई
लाखों ने गवां दिए जान।

क्रांतिकारियों ने दी आहुति
जनमानस ने खोए प्राण,
जब हुआ हमें यह भान
उठ खड़े हुए राष्ट्र को देने सम्मान

अंग्रेजों को खदेड़ने की
जब सबने ली थी ठान,
एकता की इस शक्ति से
स्वाधीन हुआ यह हिन्द महान।

नित नए गढ़े हमने कीर्तिमान
बढ़ाने अपने देश की शान,
प्रतिदिन प्रगति कर रहा है
यह हमारा हिन्दुस्तान।

धन्यवाद हे क्रांतिवीरों
हिन्द सदा रहेगा तुम्हारा आभार मान,
धन्यवाद हे शूरवीरों
ये हमारा भारत महान।

- श्यामल पाण्डेय